Clauses in Hindi (उपवाक्य): परिभाषा, भेद, प्रकार, उदाहरण

वाक्यों का ऐसा भाग जिसका अपना स्वतंत्र अर्थ हो, जिसमें उद्देश्य और विधेय हो उपवाक्य कहलाता है। Clauses in Hindi में सभी उपवाक्य प्रधान उपवाक्य से हिंदी के योजक शब्दों से (connecter) से जुड़े रहते हैं। जैसे- कि,जिससे,जिसे,जिसमें,ताकि,जो, जितना,क्योंकि यद्यपि,जब,जहां आदि |

उद्देश्य और विधेय

Clauses in Hindi में वाक्य के दो तत्त्व या अंग होते हैं- कर्ता और क्रिया पक्ष के अनुसार वाक्य के दो पक्ष हो जाते हैं- उद्देश्य और विधेय।

1.उद्देश्य**-** वाक्य में जिस व्यक्ति या वस्तु के सम्बन्ध में कुछ कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे- "छात्रों को अनुशासन प्रिय होना चाहिए।" उक्त वाक्य में छात्रों को कहा गया है कि उन्हें अनुशासन प्रिय होना चाहिए। अत: 'छात्रों को' उद्देश्य है।इसके अन्तर्गत कर्ता तथा कर्ता-विस्तार (विशेषण सम्बन्धबोधक, भावबोधक आदि) आ जाते हैं। सामान्यत: उद्देश्य कोई संज्ञा या संज्ञा की तरह प्रयुक्त शब्द होता है। अर्थात् वाक्य का कर्ता ही वाक्य का उद्देश्य होता है। जैसे-

- तेंदुलकर ने एक ओवर में पाँच छक्के लगाए। इस वाक्य में 'तेंदुलकर' उद्देश्य है।
- 'मोहन बाजार जा रहा है।' इस वाक्य में 'मोहन' उद्देश्य है।
- 'मेरा बड़ा भाई निशांत जासूसी पुस्तकें अधिक पढ़ता है।' इस वाक्य में मेरा बड़ा भाई उद्देश्य है।

2. विधेय**-** उद्देश्य (कर्ता) के सम्बन्ध में जो कहा जाता है उसे विधेय कहते हैं। इसके अन्तर्गत क्रिया, क्रिया विस्तार, कर्म-विस्तार आदि आ जाते हैं। जैसे-

- इस कक्षा का सर्वश्रेष्ठ धावक राम प्रतियोगिता में भाग लेगा। इस वाक्य में उद्देश्य है 'इस कक्षा का सर्वश्रेष्ठ धावक राम'; विधेय है- 'प्रतियोगिता में भाग लेगा।'
- मेरा छोटा भाई प्रशांत धार्मिक पुस्तकें अधिक पढ़ता है।' इस वाक्य में 'धार्मिक पुस्तकें अधिक' विधेय है।
- 'मेरा मित्र राकेश बहुत अच्छा चित्रकार है।' इस वाक्य में बहुत अच्छा चित्रकार है' विधेय है।

उपवाक्य के प्रकार

उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं**-**

(1) संज्ञा उपवाक्य **(Noun Clause)**

(2) विशेषण उपवाक्य **(Adjective Clause)**

(3) क्रिया-विशेषण उपवाक्य **(Adverb Clause)**

1) संज्ञा उपवाक्य (Noun Clause)

वह उपवाक्य जो प्रधान या मुख्य (Principal) उपवाक्य की संज्ञा या कारक के रूप में सहायता करे, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं।

जैसे- 'राम ने कहा कि मैं पढ़ूँगा'

यहाँ 'मैं पढ़ूँगा' संज्ञा-उपवाक्य है।

'मैं नहीं जानता कि वह कहाँ है-

इस वाक्य में 'वह कहाँ है' संज्ञा-उपवाक्य है।

(2) विशेषण उपवाक्य (Adjective Clause)

जो उपवाक्य किसी दूसरे उपवाक्य में आये संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करता है, उसे विशेषण उपवाक्य कहते हैं।

जैसे- 'वह विद्यार्थी जो कल अनुपस्थित था, बीमार है।'

(क) वह विद्यार्थी बीमार है- प्रधान उपवाक्य

(ख) जो कल अनुपस्थित था - विशेषण उपवाक्य ; 'विद्यार्थी की विशेषता बतलाता है।

यह जरूरी नहीं कि विशेषण उपवाक्य प्रधान उपवाक्य में आये हुए ही किसी शब्द की विशेषता प्रकट करे। यह अन्य उपवाक्य में आये हुए शब्दों की भी विशेषता प्रकट करता है।

जैसे- मैंने कहा कि तुमने यह कलम खरीदी है जो बाजार में सबसे सस्ती है।

(क) मैंने कहा- प्रधान उपवाक्य।

(ख) कि तुमने यह कलम खरीदी है- संज्ञा उपवाक्य, 'कहा' क्रिया का कर्म।

(ग) जो बाजार में सस्ती है- विशेषण उपवाक्य संज्ञा उपवाक्य में आये।

'कलम' शब्द की व्याप्ति मर्यादित करती है, यानी विशेषता बताती है। कभी-कभी जो के स्थान पर 'जैसे-' 'जितना' इत्यादि 'ज' ही वाले शब्द आते हैं।

(3) क्रिया-विशेषण उपवाक्य (Adverb Clause)

जो उपवाक्य किसी क्रिया की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें क्रिया-विशेषण उपवाक्य कहते हैं।

जैसे- जब पानी बरसता है, तब मेढक बोलते हैं।

यहाँ 'जब पानी बरसता है' क्रियाविशेषण-उपवाक्य हैं।

ये उपवाक्य क्रिया का समय, स्थान, कारक, प्रयोजन परिमाण आदि बताते हैं। इनका आरम्भ- जब, जहाँ, क्योंकि जिससे, अतः, अगर, यद्यपि, चाहे, जो, त्यों, ज्यों, मानों इत्यादि से होता हैं।

जैसे- 'जब पानी बरसे खेत जोत डालना।' – समय

'जहाँ सज्जनों का मान होता है वहाँ लक्ष्मी निवास करती है।' – स्थान

'मैं रोटी नहीं खाऊँगा, क्योंकि पेट में अधिक दर्द है। - कारण

मुझे पुस्तक दे दो, जिससे मैं पाठ याद कर लूँ। - प्रयोजन

राम ने कठिन परिश्रम किया, अतः परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया – परिणाम

यदि मोहन यहाँ आएगा, तो मैं अवश्य आऊँगा। - शर्त

राम ऐसा ही चतुर है, जैसे- कि तुम हो। - तुलना

जितना ही वह धनवान होता जाता है, उतना ही वह कृपण होता जाता है। - मर्यादा।

जैसे-जैसे- मैं बोलूँ वैसे-वैसे तुम लिखो। - प्रकार

उपवाक्य के भेद

Clauses in hindi में Clauses के भेद जानना जरूरी है तो आइए देखते हैं Clauses के कितने भेद होते हैं? उपवाक्य के निम्नलिखित दो भेद होते हैं :

1.प्रधान उपवाक्य (मुख्य उपवाक्य)**-** प्रधान उपवाक्य वह होता है जिसकी क्रिया मुख्य होती है।

2.आश्रित उपवाक्य**-** आश्रित उपवाक्य दूसरे उपवाक्य पर आश्रित होता है। आश्रित उपवाक्यों का आरम्भ प्राय: 'कि ', 'जो', 'जिसे','यदि' 'क्योंकि', आदि से होता है।आश्रित उपवाक्य आरंभ, मध्य या अंत में भी आ सकते हैं।

उदाहरणतया**- '** अभिमन्यु परिश्रम करता तो अवश्य सफल होता' इस वाक्य का सरल वाक्य इस प्रकार बनेगा- 'अभिमन्यु परिश्रम करने पर अवश्य सफल होता। यहाँ 'परिश्रम करता' क्रिया रूपांतरित हो गई है। अत: यह आश्रित उपवाक्य है। दूसरी ओर 'सफल होता' क्रिया ज्यों की त्यों विद्यमान रही। अत: यह प्रधान उपवाक्य है।

Examples of उपवाक्य के भेद

Clauses in hindi को समझने के लिए कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं इससे आपको Clauses in hindi समझने में आसानी होगी।

1.गांधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो। इस वाक्य में- गांधी जी ने कहा - प्रधान उपवाक्य, कि सदा सत्य बोलो **-** आश्रित उपवाक्य

2. यह वही व्यक्ति है जिसकी कल पिटाई की गई थी। इस वाक्य में- यह वही व्यक्ति है -प्रधान उपवाक्य, जिसकी कल पिटाई की गई थी -आश्रित उपवाक्य

3.रोशन जो मुरलीपुरा में रहता है**,** मेरा मित्र है। इस वाक्य में- रोशन जो मुरलीपुरा में रहता है - प्रधान उपवाक्य है।मेरा मित्र है - आश्रित उपवाक्य है।

4.गौरी अभिमन्यू की छोटी बहिन है**,** जो मुम्बई मे पढ़ती है। इस वाक्य में- गौरी अभिमन्यू की छोटी बहिन है - प्रधान उपवाक्य, जो मुम्बई में पढ़ती है- आश्रित उपवाक्य है।

विविध उदाहरण

Clauses in hindi को समझने के लिए विभिन्न उदाहरण नीचे दिए गए हैं**:**

- कल की चिन्ता वे करते हैं जो बेरोजगार होते हैं।
- जिसकी लाठी उसकी भैंस।
- मैंने सुना है सुरैया ने निकाह कर लिया है।
- सरस्वती उसी पर प्रसन्न होती है जो दत्तचित्त होकर विद्याध्ययन करता है।
- तुम जिसे चाहे, चुन लो।
- जो करेगा सो भरेगा।
- वह कौन सा व्यक्ति है जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो।
- यद्यपि वह गरीब है तथापि ईमानदार है।
- मैंने सुना है कि नीना पास हो गई है।
- चाहे रात बीत जाए, मुझे गृहकार्य पूरा करना है।
- मैं उस लड़की से मिला था जिसकी किताब खो गई थी।

आश्रित उपवाक्य के भेद

मिश्र वाक्य में प्रयुक्त होने वाले गौण उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं

(क) संज्ञा उपवाक्य**-** जो उपवाक्य प्रधान वाक्य की किसी संज्ञा या संज्ञा-पदबंध के स्थान पर प्रयुक्त हुआ हो, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं, जैसे-अभिमन्यु ने कहा कि हम लड़ाई नहीं चाहते। यहाँ 'हम लड़ाई नहीं चाहते' यह संज्ञा उपवाक्य है जो अभिमन्यु ने कहा इस प्रधान उपवाक्य के कर्म के रूप में प्रयुक्त हुआ है। अत: यह संज्ञा उपवाक्य है ।

(ख) विशेषण उपवाक्य**-** जो आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण उपवाक्य कहते हैं, जैसे- यह वही आदमी है, जिसने कल मुझे थप्पड़ मारा था । उपर्युक्त वाक्य में 'जिसने कल थप्पड़ मारा था' ऐसा आश्रित उपवाक्य हैं, जो क्रमशः 'आदमी' संज्ञा तथा 'उसे' सर्वनाम की विशेषता बताता है।

अन्य उदाहरण**-**

'यह वही लड़का है जिसने कल चोरी की थी।' इस वाक्य में रेखांकित वाक्य विशेषण उपवाक्य है।

'जहाँ-जहाँ वह गया उसका बहुत सम्मान हुआ।'

विशेषण उपवाक्य का प्रारम्भ सर्वनाम 'जो' अथवा इसके किसी रूप (यथा- जिसने, जिसे, जहाँ जिससे, जिनके लिए आदि) से होता है।

(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य- जिस आश्रित उपवाक्य का प्रयोग क्रिया-विशेषण की भाँति किया जाता है। अर्थात् उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया-विशेषण उपवाक्य कहते हैं। यदि बोलना नहीं आता, तो भी बोलने की कोशिश कीजिए। उपर्युक्त वाक्य में शब्द मुख्य उपवाक्य की क्रिया विशेषताएँ (समय और शर्त) बता रहे हैं, अत: यहक्रिया-विशेषण उपवाक्य हैं।

इसके पाँच भेद होते हैं

(i) काल सूचक उपवाक्य - जब मैं घर पहुँचा तब वह जा रही थी।

(ii) स्थानवाचक उपवाक्य- जिधर हम जा रहे हैं उधर एक शेर है।

(iii) रीतिवाचक उपवाक्य- बच्चे वैसे ही करते हैं जैसा वे बड़ों से सीखते हैं।

(iv) परिमाणवाचक उपवाक्य- जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, वैसे-वैसे पसीना आयेगा।

(v) परिणाम अथवा हेतु सूचक उपवाक्य- वह इसलिए आएगा ताकि आपसे शादी कर सके।

प्रधान उपवाक्य	आश्रित उपवाक्य	उपवाक्य का प्रकार
सुशील ने कहा कि	मैं गाँव नहीं जाऊँगा	संज्ञा उपवाक्य
वे सफल होते हैं	जो परिश्रम करते हैं।	विशेषण उपवाक्य
श्याम को गाड़ी नहीं मिली	क्योंकि वह समय पर नहीं गया।	क्रिया विशेषण उपवाक्य

FAQs

उपवाक्य के कितने प्रकार हैं ?
उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं–
(1) संज्ञा उपवाक्य (Noun Clause)
(2) विशेषण उपवाक्य (Adjective Clause)
(3) क्रिया-विशेषण उपवाक्य (Adverb Clause)

आश्रित उपवाक्य के तीसरा भेद कौन सा है?
क्रिया विशेषण उपवाक्य

मिश्र वाक्य क्या होता है?
मिश्र वाक्य उसे कहते जिसमें एक सरल वाक्य के अतिरिक्त उसके अधीन कोई अन्य अंग वाक्य हो।
जैसे- वह कौन-सा भारतीय है जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो।

संज्ञा आश्रित उपवाक्य Example?
जैसे-अभिमन्यु ने कहा कि हम लड़ाई नहीं चाहते। यहाँ 'हम लड़ाई नहीं चाहते' यह संज्ञा उपवाक्य है जो अभिमन्यु ने कहा इस प्रधान उपवाक्य के कर्म के रूप में प्रयुक्त हुआ है। अत: यह संज्ञा उपवाक्य है ।

प्रधान उपवाक्य किसे कहते है ?
प्रधान उपवाक्य (मुख्य उपवाक्य)- प्रधान उपवाक्य वह होता है जिसकी क्रिया मुख्य होती है।

विशेषण उपवाक्य किसे कहते हैं ?
जो उपवाक्य किसी दूसरे उपवाक्य में आये संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करता है, उसे विशेषण उपवाक्य कहते हैं।
जैसे- 'वह विद्यार्थी जो कल अनुपस्थित था, बीमार है।'
(क) वह विद्यार्थी बीमार है- प्रधान उपवाक्य
(ख) जो कल अनुपस्थित था – विशेषण उपवाक्य ; 'विद्यार्थी की विशेषता बतलाता है।

उद्देश्य किसे कहते है ? उदाहरण सहित बताएं ।
वाक्य में जिस व्यक्ति या वस्तु के सम्बन्ध में कुछ कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे- "छात्रों को अनुशासन प्रिय होना चाहिए।" उक्त वाक्य में छात्रों को कहा गया है कि उन्हें अनुशासन प्रिय होना चाहिए। अत: 'छात्रों को' उद्देश्य है।

उपवाक्य के कितने भेद है ?
उपवाक्य के निम्नलिखित दो भेद होते हैं :
1.प्रधान उपवाक्य (मुख्य उपवाक्य)
2.आश्रित उपवाक्य

मिश्र वाक्य में प्रयुक्त होने वाले गौण उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं ?
(क) संज्ञा उपवाक्य
(ख) विशेषण उपवाक्य
(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य

संज्ञा उपवाक्य का उदाहरण बताइए ?
जैसे- 'राम ने कहा कि मैं पढूँगा'
यहाँ 'मैं पढूँगा' संज्ञा-उपवाक्य है।
'मैं नहीं जानता कि वह कहाँ है-
इस वाक्य में 'वह कहाँ है' संज्ञा-उपवाक्य है।